PSC ACADEMY

CHHATTISGARH

By RAKESH SAO

As per New Syllabus…

CGPSC PRE + MAINS

PAPER – 3 UNIT – 3

WWW.PSCACADEMY.IN

2^{ND} Edition 2020

Printing and Publishing Rights with the Publishers….

No part of this book may be reproduced or copied in any form or by any means without the written permission of the publishers. Breach of this condition is liable for legal action.

Information and Facts given in this book is yet to be authenticated. Please refer and consist with original source.

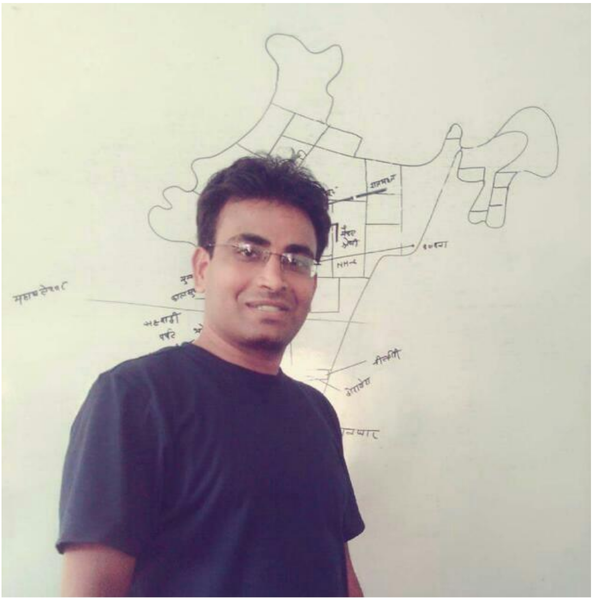

RAKESH SAO

CSE (BIT , Durg)

DIRECTOR (PSC ACADEMY)

कांकेर के सोम वंश

- कांकेर के सोम वंश
- कर्णेश्वर महादेव मंदिर
- महत्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर
- मुख्य परीक्षा आधारित महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

कांकेर के सोम वंश (1191 – 1320)

- शासनकाल - 1191 – 1320
- संस्थापक - सिंहराज
- अंतिम शासक - भानुदेव
- राजधानी - कांकेर
- धर्म - शैव धर्म
- मंदिर - शिव
- अधीनता - कल्चुरी वंश
- समकालीन - कल्चुरी वंश

कांकेर के सोम वंश के शासक

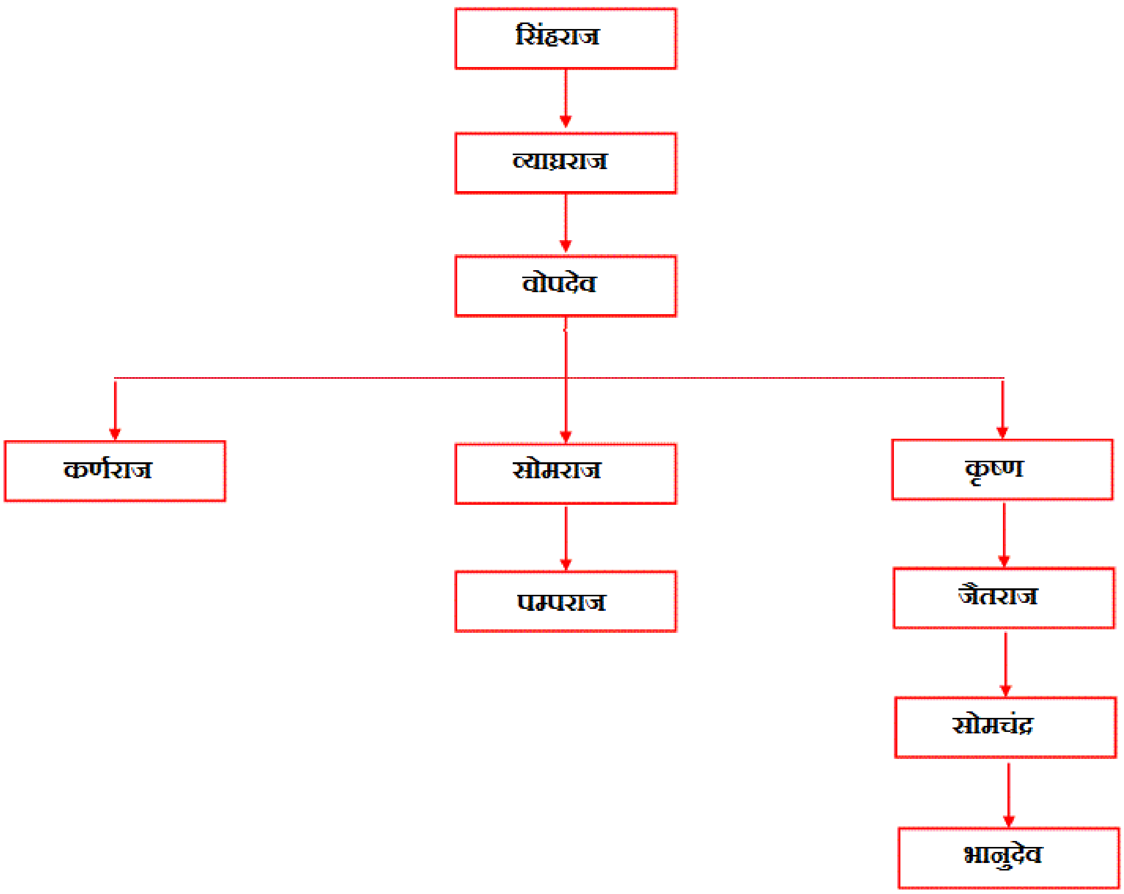

कांकेर के सोम वंश के शासक

क्र.	शासक	क्र.	शासक	क्र.	शासक
1	सिंहराज	5	सोमराज	9	सोमचंद्र
2	व्याघ्रराज	6	पम्पराज	10	भानुदेव
3	वोपदेव	7	कृष्ण		
4	कर्णराज	8	जैतराज		

जानकारी के स्त्रोत

क्र.	शिलालेख	शासक	वंश	जानकारी
1	राजिम शिलालेख	पृथ्वीदेव II	रतनपुर कल्चुरी वंश	पृथ्वीदेव II के सामंत जगतपाल ने कांकेर क्षेत्र को जीता था |
2	सिहावा शिलालेख	कर्णराज	कांकेर के सोम वंश	
3	तहनकापारा शिलालेख (1214 ई.)	पम्पराज	कांकेर के सोम वंश	
4	कांकेर शिलालेख (1320 ई.)	भानुदेव	कांकेर के सोम वंश	

कांकेर के सोम वंश के प्रमुख शासक

प्रमुख शासक	विशेष
सिंहराज	▪ संस्थापक ▪ राजधानी - **कांकेर**
व्याघ्रराज	▪ सिंहराज का पुत्र ▪ अन्य नाम - वाघराज
वोपदेव	▪ वोपदेव के पश्चात् यह वंश तीन शाखाओं में विभाजित हो गया | ▪ **वोपदेव के पुत्र** (1) कर्णराज - प्रथम शाखा (कर्णराज का सिहावा शिलालेख) (2) सोमराज - द्वितीय शाखा (पम्पराज का तहनकापारा शिलालेख) (3) कृष्ण - तृतीय शाखा (भानुदेव का कांकेर शिलालेख)
कर्णराज	▪ कर्णराज के सिहावा शिलालेख से ज्ञात होता है कि कर्णराज वोपदेव का पुत्र था | ▪ निर्माण - कर्णेश्वर महादेव मंदिर (सिहावा) (कर्णराज का सिहावा शिलालेख)

कर्णेश्वर महादेव मंदिर (सिहावा)

कर्णेश्वर महादेव मंदिर

जलाधारी कर्णेश्वर शिवलिंग

- स्मारक - राज्य संरक्षित स्मारक
- स्थान - सिहावा (जिला – धमतरी)
- नदी तट - महानदी
- मंदिर - शिव मंदिर
- प्रतिमा - काला पत्थर का जलाधारी शिवलिंग
- निर्माण काल - 12 वीं शताब्दी
- निर्माता - कर्णदेव या कर्णराज (कांकेर के सोम वंश)
- स्त्रोत - कर्णराज का सिहावा शिलालेख
- आश्रम - श्रृंगी ऋषि आश्रम

कांकेर के सोम वंश (1191 – 1320)

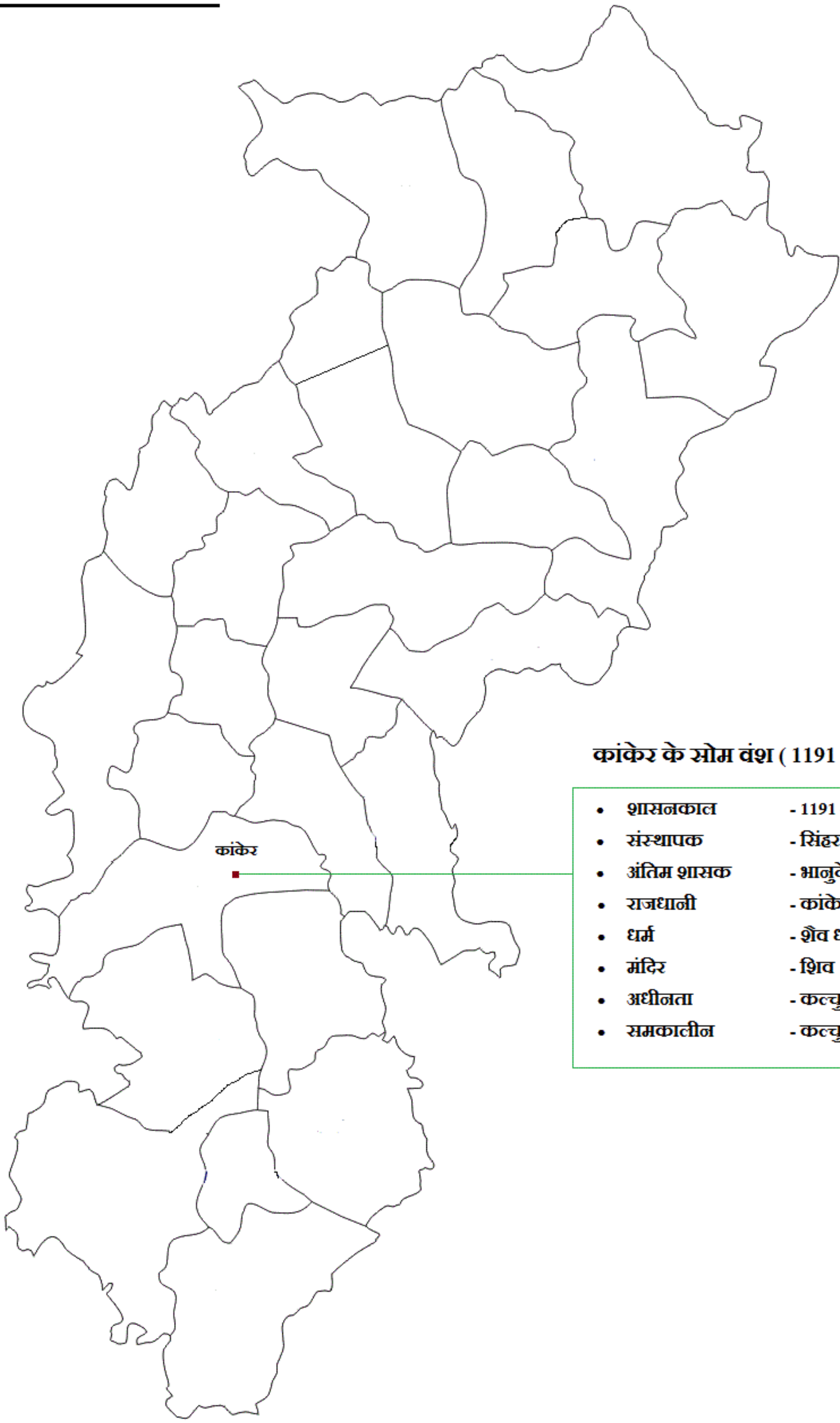

कांकेर के सोम वंश (1191 – 1320)

- **शासनकाल** - 1191 – 1320
- **संस्थापक** - सिंहराज
- **अंतिम शासक** - भानुदेव
- **राजधानी** - कांकेर
- **धर्म** - शैव धर्म
- **मंदिर** - शिव
- **अधीनता** - कल्चुरी वंश
- **समकालीन** - कल्चुरी वंश

कांकेर के सोम वंश का शिलालेख

कांकेर के सोम वंश का शिलालेख

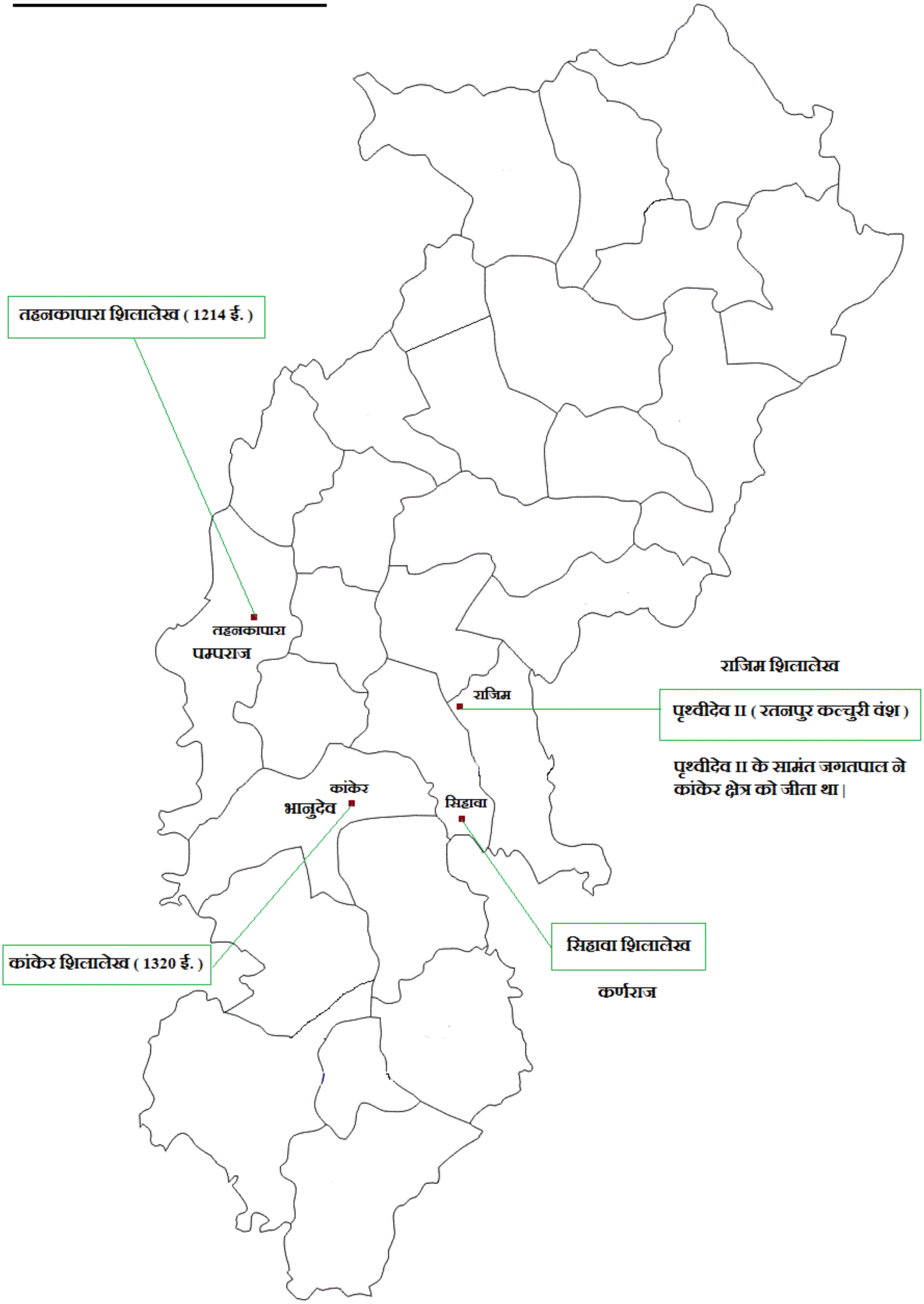

कर्णेश्वर महादेव मंदिर (सिहावा)

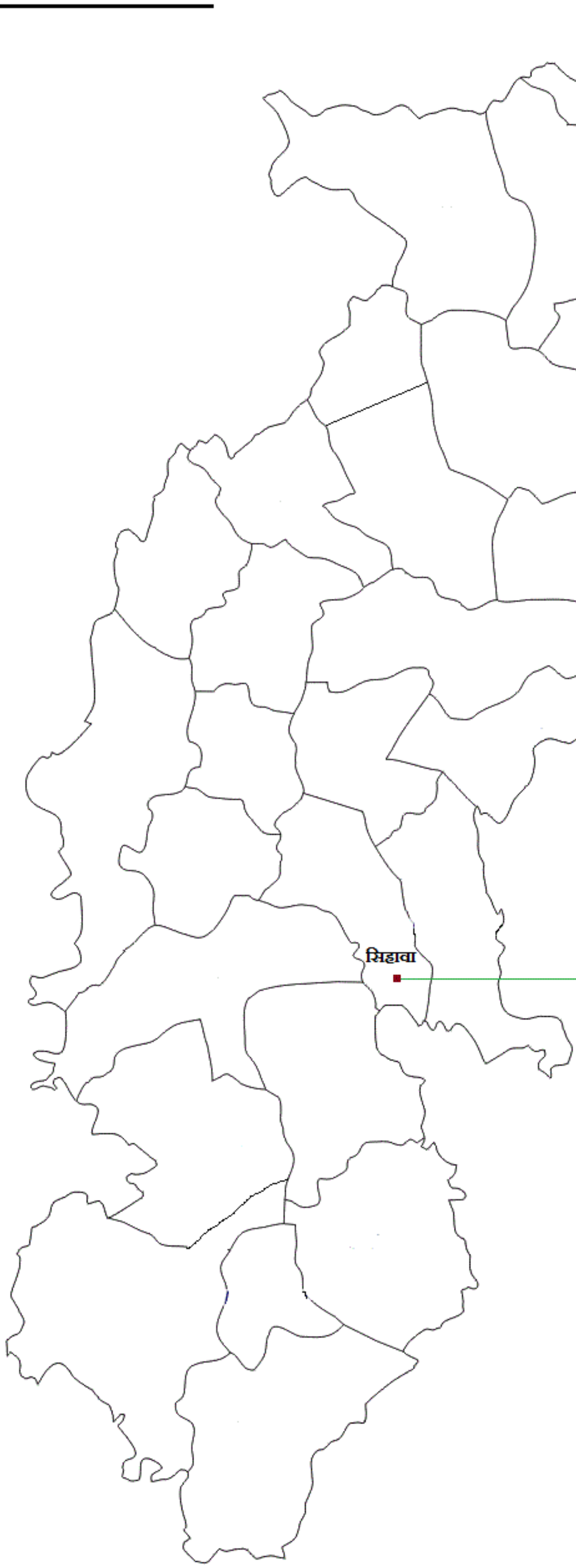

कर्णेश्वर महादेव मंदिर

- स्मारक - राज्य संरक्षित स्मारक
- स्थान - सिहावा (जिला – धमतरी)
- नदी तट - महानदी
- मंदिर - शिव मंदिर
- प्रतिमा - काला पत्थर का जलाधारी शिवलिंग
- निर्माण काल - 12 वीं शताब्दी
- निर्माता - कर्णदेव या कर्णराज (कांकेर के सोम वंश)
- स्त्रोत - कर्णराज का सिहावा शिलालेख
- आश्रम - श्रृंगी ऋषि आश्रम

महत्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

1. कांकेर के सोम वंश के निम्नलिखित शासक थे –

(1) व्याघ्रराज (2) पम्पराज
(3) वोपदेव (4) परमेश्वर देव

(A) 1 , 2 , 3 (B) 1 , 2 , 3 , 4
(C) 2 , 3 , 4 (D) 1 , 3 , 4

उत्तर (A)

कांकेर के सोम वंश

- सिंहराज
- व्याघ्रराज
- वोपदेव
- कर्णराज
- सोमराज
- पम्पराज
- कृष्ण
- जैतराज
- सोमचंद्र
- भानुदेव

2. कर्णेश्वर महादेव मंदिर किस नदी के तट पर स्थित है ?

(A) महानदी (B) दूध नदी
(C) शिवनाथ नदी (D) पैरी नदी

उत्तर (A)

कर्णेश्वर महादेव मंदिर (सिहावा)

- स्मारक - राज्य संरक्षित स्मारक
- स्थान - सिहावा (जिला – धमतरी)
- नदी तट - महानदी
- मंदिर - शिव मंदिर
- प्रतिमा - जलाधारी शिवलिंग
- निर्माण काल - 12 वीं शताब्दी
- निर्माता - कर्णदेव या कर्णराज
- वंश - कांकेर के सोम वंश
- स्त्रोत - कर्णराज का सिहावा शिलालेख
- आश्रम - श्रृंगी ऋषि आश्रम

---------------------- ALL THE BEST ----------------------

मुख्य परीक्षा आधारित महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

Question 1. सोम वंशीय शासक कर्णदेव की भूमिका पर प्रकाश डालिए | (अंक : 2 , शब्द सीमा : 30)

राज्य संरक्षित स्मारक की सूची में सम्मिलित कर्णेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण 12 वीं शताब्दी में कांकेर के सोम वंशीय शासक कर्णदेव या कर्णराज ने सिहावा (जिला – धमतरी) में महानदी के तट पर किया था | आप एक प्रतापी शासक एवं शिव भक्त थे | इस बात की जानकारी कर्णराज का सिहावा शिलालेख से प्राप्त होती है |

Question 2. भोरमदेव मंदिर पर एक लेख लिखिए | (अंक : 8 , शब्द सीमा : 100)

राज्य संरक्षित स्मारक की सूची में सम्मिलित कर्णेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण 12 वीं शताब्दी में कांकेर के सोम वंशीय शासक कर्णदेव या कर्णराज ने सिहावा (जिला – धमतरी) में महानदी के तट पर किया था | इस बात की जानकारी कर्णराज का सिहावा शिलालेख से प्राप्त होती है | यह मंदिर नागर शैली का एक उत्कृष्ट उदाहरण है | सिहावा में ही श्रृंगी ऋषि आश्रम भी स्थित है |

मूल्यांकन – कर्णेश्वर महादेव मंदिर का प्राकृतिक सौंदर्य के साथ ही अपनी वास्तुकला की पृष्ठभूमि के लिए भी अद्वितीय है | यह मंदिर छत्तीसगढ़ की सुंदरता का प्रतीक है | इसका छत्तीसगढ़ पर्यटन में अतुलनीय योगदान है | छत्तीसगढ़ राजस्व में इसका महत्वपूर्ण योगदान है |

RAKESH SAO

CSE (BIT , Durg)

DIRECTOR (PSC ACADEMY)

FOR COMPLETE NOTES VISIT

WWW.PSCACADEMY.IN

STEPS TO DOWNLOAD PDF NOTES

(1) www.pscacademy.in

(2) CLICK ON "DOWNLOAD"

(3) CLICK ON "PSC ACADEMY SPECIAL"

PSC ACADEMY
(RAIPUR)

2016 TOP 10 SELECTIONS

NISHANT TIWARI
CGPSC 2016
7TH POST RANK

PUNESHWAR VERMA
STATE ENGG SERVICES
2ND RANK

CHANDRAKANT BAGHEL
FOOD INSPECTOR
10TH RANK

SURESH PIPRE
ACF 2016
3RD RANK (CAT)

CGPSC NEW BATCHES START FROM 1ST OCTOBER

CGPSC PRE / CG VYAPAM	TIME - 5PM TO 7PM
CGPSC MAINS	TIME - 7PM TO 9PM

DOWNLOAD ALL STUDY MATERIALS FROM
WWW.PSCACADEMY.IN

PSC ACADEMY
BESIDE DENA BANK, GOL CHOWK,
ROHANIPURAM, D.D. NAGAR,
NEAR NIT RAIPUR, RAIPUR (C.G.)

CONTACT 9827112187
9302766733

RAKESH SAO
CSE (BIT , Durg)
DIRECTOR